

प्रेषक,

महिमा,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
माध्यमिक शिक्षा,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून, दिनांक: 24 जुलाई, 2017

विषय:- वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय-व्ययक में वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों की प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक: अर्थ-1/9752/5क(01)/26/2017-18, दिनांक: 05 जुलाई, 2017 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत अधिष्ठान संबंधी वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों में लेखानुदान द्वारा स्वीकृत धनराशि रु0 12108902 हजार को समायोजित करते हुए आवश्यक व्ययों का भुगतान सुनिश्चित किये जाने हेतु संलग्न परिशिष्ट 'अ' की तालिका के स्तम्भ-5 के अनुसार वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय-व्ययक में लेखाशीर्षक हेतु अनुदान संख्या-11 राजस्व पक्ष में 13870549 हजार, अनुदान संख्या-30 राजस्व पक्ष में रु0 58463 हजार तथा अनुदान संख्या -31 राजस्व पक्ष में रु0 6091 हजार कुल धनराशि रु0 13935103 हजार (रु0 तेरह अरब तिरानवे करोड़ इक्यावन लाख तीन हजार मात्र) की धनराशि को निम्नांकित प्रतिबन्धों एवं शर्तों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 610/3(150)/XXVII(1)/2017, दिनांक: 30 जून, 2017 में उल्लिखित समस्त शर्तों/प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
2. वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 183/XXVII(1)/2013, दिनांक: 28 मार्च, 2012 में उल्लिखित प्राविधानों के अनुसार धनराशि विभागावार पृथक आवंटन/अलाटमेंट आई0डी0 के अंतर्गत सॉफ्टवेयर के माध्यम से आनलाइन अवमुक्त कर दी गयी है।
3. धनराशि आहरित करते समय प्रत्येक दशा व प्रकरण में मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और वर्ष के प्रारम्भ में ही प्रत्येक मद के सम्बन्ध में मितव्ययता हेतु स्पष्ट योजना बना ली जाय और तदनुसार प्रत्येक मद के सम्बन्ध में प्राविधानित आवंटित धनराशि के सापेक्ष बचत का लक्ष्य पूर्व में ही निर्धारित कर बचत सुनिश्चित की जायेगी।
4. वचनबद्ध मदों, यथा वेतन, मंहगाई भत्ता, अन्य भत्ते, विद्युत देय, जलकर/जल प्रभार, किराया, पेंशन, भोजन व्यय, मजदूरी आदि मदों की धनराशि के अंतर्गत आहरण/व्यय मासिक आधार पर किशतों में वास्तविक आवश्यकता के अनुरूप ही किया जायेगा एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न अधिक व्ययभार सृजित किया जायेगा।
5. अधिष्ठान संबंधी अवचनबद्ध मदों के अंतर्गत आहरण एवं व्यय किशतों में, वास्तविक व्यय एवं आवश्यकता के आधार पर ही किया जायेगा। अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में आवंटित धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी तथा मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जायेगा। किसी प्रकार का अधिक व्ययभार सृजित नहीं किया जायेगा।

G.O sanction

1154

6. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए।
7. अनुदान के अंतर्गत प्राविधानित धनराशि शासन की बिना सहमति के किसी स्तर से किसी भी प्रकार के पुनर्विनियोग पर पूर्ण प्रतिबन्ध है। पुनर्विनियोजन का प्रस्ताव बजट मैनुअल के पैरा-151 के अंतर्गत परीक्षण करने के उपरान्त ही शासन को उपलब्ध कराया जाय। राजस्व पक्ष से पूंजीपक्ष तथा पूंजीगत पक्ष से राजस्व पक्ष में पुनर्विनियोजन प्रतिबन्ध है। अतः इस प्रकार के पुनर्विनियोग के प्रस्ताव शासन को उपलब्ध न कराये जाए।
8. बजट मैनुअल पैरा-88 में इंगित प्राविधान कि नियन्त्रण अधिकारी या विभागाध्यक्ष जैसी भी स्थिति हो यह सुनिश्चित करने के उत्तरदायी होंगे कि वित्तीय स्वीकृतियों के समय व्यय के अनुश्रवण की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और यदि किसी मामले में सीमाधिक व्यय दृष्टिगोचर हो तो उसे तत्काल संज्ञान में लाया जाए तथा बी0एम0-8 पर नियमित रूप से शासन को प्रतिमाह विलम्बतम 10 तारीख तक पूर्व माह की सूचना उपलब्ध करायी जाए। बजट मैनुअल के विभिन्न प्रपत्रों के माध्यम से भेजी जाने वाली सूचना समय से भेजा जाना सुनिश्चित करना विभाग का उत्तरदायित्व है जिसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।
9. किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1(वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन अधिनियम) वित्तीय नियम संग्रह-05 भाग-1(लेखा नियम) आय-व्यय संबंधी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत शासनोददेशों आदि का कड़ाई से पालन अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
10. अनुदानों का विभागावर एवं विभागाध्यक्षवार तैयार करने के कारण एक ही लेखाशीर्षक अनेक अनुदानों के अन्तर्गत प्रदर्शित होता है जिसके फलस्वरूप महालेखाकार के कार्यालय में व्यय को सही लेखाशीर्षक/अनुदान के अन्तर्गत पुस्तान्वित करने में कठिनाई होती है और सुसंगत लेखाशीर्षक/अनुदान के अधीन त्रुटि रह जाने की संभावना बनी रहती है इस हेतु यह आवश्यक है कि सभी वित्तीय स्वीकृतियां सही अनुदान संख्या/लेखाशीर्षक इंगित करते हुए ही निर्गत किये जाये जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जायें उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ संबंधित अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय। बजट नियन्त्रक अधिकारी/विभागाध्यक्ष बी0एम0-17 प्रारूप में बजट नियंत्रण पंजिका (Budget Control Register) में उनके स्तर पर उपलब्ध बजट तथा उनके स्तर से अधीनस्थ अधिकारियों पर आवंटन आहरण वित्त अधिकारियों को आवंटित बजट का विवरण रखा जायेगा। इस संबंध में संबंधित विभागाध्यक्ष/बजट नियन्त्रण अधिकारी जिसके नमूना हस्ताक्षर समस्त कोषागारों में परिचालित हों के हस्ताक्षर से अनुदान के अधीन राजस्व पक्ष की धनराशियां पूर्व निर्गत शासनादेशों के क्रम में जारी किया जाए अन्यथा कोषागार द्वारा भुगतान नहीं किया जायेगा और जिसके लिए संबंधित अधिकारी उत्तरदायी होंगे।
11. यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि मजदूरी तथा व्यावसायिक सेवाओं के लिए भुगतान मदों के अंतर्गत आउटसोर्सिंग से कार्मिकों की संख्या संबंधित इकाई में समकक्ष स्तर के स्वीकृत परन्तु रिक्त पदों की अधिकतम सीमा अंतर्गत अथवा शासन की पूर्व सहमति से स्वीकृत सीमा, इनमें से जो भी कम हो, के अंतर्गत ही रहेगी। इसमें किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता की दशा में पूर्ण उत्तरदायित्व संबंधित विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष का होगा।
12. अधिष्ठान संबंधी जिन मदों में किसी मुद्रण (टंकण) त्रुटि के कारण बजट प्राविधान/आवंटित में वृद्धि हुयी हो, उन प्रकरणों के संबंध में धनराशि व्यय करने से पूर्व वस्तुस्थिति शासन के संज्ञान में लाते हुए अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

3. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या: 11 एवं अनुदान संख्या: 30 व अनुदान संख्या 31 के अधीन संलग्नक परिशिष्ट-‘अ’ की तालिका के अन्तर्गत उल्लिखित सुसंगत लेखाशीर्षक एवं प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जाएगा।
4. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 610/3(150)/XXVII(1)/2017, दिनांक: 30 जून, 2017 में प्रदत्त दिशा-निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीया,
(महिमा)
उप सचिव।

- पृष्ठांकन संख्या:963 /XXIV-3/17/02(30)2017, तददिनांक।
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
- 1-महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
 - 2-महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
 - 3-समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
 - 4-समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
 - 5-बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
 - 6-वित्त विभाग (अनुभाग-3)/नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड सचिवालय।
 - 7-निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें 23-लक्ष्मी रोड, देहरादून।
 - 8-गार्ड फाइल।

आज्ञा से
h. r. h.
(महिमा)
उप सचिव।